साहित्य संहिता
Available at http://sahityasamhita.org/
ISSN 2454-2695
Volume 01 Issue 11
December 2015

राष्ट्रभाषा हिन्दी और देवनागरी लिपि का महत्व

मुकेश चंद

हिन्दी जन जन की भाषा होने के साथ राष्ट्रभाषा भी है। जिसकी लिपि देवनागरी है। पढ़ने लिखने समप्रेषण के साथ मीडीया की भाषा भी है । देवनागरी लिपि संविधान की अनुच्छेद 343 में निहित है । विनोबा बावे ने राष्ट्रभाषा हिन्दी को विश्व की श्रेष्ठ भाषाओँ में एक माना है। हिन्दी जिसकी लिपि देवनागरी चरम पर पहुंच चुकी है । चाहे शोध के क्षेत्र में हो या बोलचाल की भाषा रही हो । सरकारी कार्यालयों की भाषा राष्ट्रभाषा के रूप में काम चला रहा है । भारतीय संस्कृति एकता अखण्डता भ्रष्टाचार सहिष्णुता को बचाना है तो हिन्दी का विकास करना व् इसे सुरक्षित रखना पड़ेगा । हिन्दी का प्रचार प्रसार करना हर भारतीय का दायित्व है । मानवता कला धर्म दर्शन राष्ट्रभाषा हिन्दी की ओर आकर्षित करती है। हिन्दी पढ़ना लिखना हमारे लिए गौरव की बात है । हिन्दी समाज में प्रतिष्ठित स्थान ग्रहण करता है । हिन्दी पढ़ने वाले विद्यार्थी हीन भावना से ग्रसित हैं। यह सोचना सरासर गलत है यह राष्ट्रीय भाषा है ।